



Booklet Series

A

Code : PG-05

5023201

Question Booklet No.
प्रश्न पुस्तिका संख्या

निर्धारित रबड़ की मुहर लगायें
Affix prescribed rubber stamp

संस्कृत
SANSKRIT

अनुक्रमांक (अंकों में)

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

Roll No. (in figures)

(केवल अंग्रेजी में/Only in English)

OMR क्रम संख्या (अंकों में)

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

OMR Serial No. (in figures)

(केवल अंग्रेजी में/Only in English)

OMR क्रम संख्या (शब्दों में)

OMR Serial No. (in words)

केन्द्र का नाम/Name of the Centre

समय : 2 घंटे

Time : 2 Hours

पूर्णांक : 425

M.M. : 425

कक्ष-निरीक्षक का हस्ताक्षर / Signature of the Invigilator

आवश्यक निर्देश

1. अभ्यर्थी अपना अनुक्रमांक केवल आवरण पृष्ठ तथा प्रश्न-पुस्तिका के साथ दिए गए उत्तर-पत्रक के निर्दिष्ट स्थान पर लिखेंगे, अन्यत्र कहीं नहीं।
2. प्रश्न-पुस्तिका मिलने के उपरान्त अभ्यर्थी को तुरन्त जाँच कर सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि पुस्तिका में पूरे पृष्ठ हैं तथा कोई प्रश्न छूट तो नहीं गया है। यदि कोई विसंगति है, तो प्रश्न-पुस्तिका मिलने के 10 मिनट के भीतर ही कक्ष-निरीक्षक को सूचित करना चाहिए तथा त्रुटिरहित दूसरी पुस्तिका प्राप्त कर लेनी चाहिए।

IMPORTANT INSTRUCTIONS

1. The candidate will write his/her Roll No. only at the place provided for i.e. on the cover page and on answer sheet given and nowhere else.
2. Immediately on the receipt of the question booklet, the candidate will check up and ensure that it contains all the pages and that no question is missing. If there is any discrepancy, it should be reported by the candidate to the invigilator within 10 minutes of issue of this question booklet and a fresh booklet without any discrepancy be obtained.

*

PG-05/A

SEAL



1. राजा शूद्रक की राजधानी थी
(A) उज्जयिनी (B) अयोध्या
(C) विदिशा (D) धारांनगरी
2. "अहो दुरन्ता बलवद्विरोधिता" यह सूक्ति है
(A) शिशुपालवध में
(B) किरातार्जुनीय में
(C) रघुवंश में
(D) कुमारसम्भव में
3. अभिज्ञानशाकुन्तल के नान्दीपाठ में भगवान शिव की मूर्तियां निर्दिष्ट हैं
(A) पांच (B) नव
(C) ग्यारह (D) आठ
4. "मलिनमपि हिमांशोर्लक्ष्म लक्ष्मी तनोति" यहां पर लक्ष्म और लक्ष्मी का अर्थ है
(A) लक्ष्य और लक्ष्मी देवी
(B) लाक्षा और विष्णुपत्नी
(C) चिह्न और शोभा
(D) अमृत और छवि
5. मृच्छकटिक की नायिका है
(A) वसन्तसेना (B) विचर्चिका
(C) मालती (D) सागरिका
6. कर्मयोग का सिद्धान्त प्रतिपादित है
(A) सांख्यतत्व कौमुदी में
(B) तर्कभाषा में
(C) वेदान्तसार में
(D) श्रीमद्भगवद्गीता में
7. "सत्कार्यवाद सिद्धान्त" उपलब्ध होता है
(A) सिद्धान्तकौमुदी में
(B) सांख्यकारिका में
(C) वेदान्तसार में
(D) तर्कभाषा में
8. प्रत्यक्ष प्रमाण का अवगम होता है
(A) अनुमान से (B) शब्द से
(C) षोढा सन्निकर्ष से (D) अभाव से
9. आरोपित शब्द व्यापार का दूसरा नाम है
(A) व्यञ्जना व्यापार
(B) तात्पर्य व्यापार
(C) अभिधा व्यापार
(D) लक्षणा व्यापार
10. "वर्णसाम्यमनुप्रासः" यह अनुप्रास अलङ्कार का लक्षण है
(A) साहित्यदर्पण के अनुसार
(B) काव्यप्रकाश के अनुसार
(C) चन्द्रालोक के अनुसार
(D) अलङ्कार सर्वस्व के अनुसार
11. भाषाविज्ञान के अर्थपरिवर्तन कारणों में जो कारण नहीं है वह है
(A) अर्थविस्तार (B) अर्थसङ्कोच
(C) अर्थव्यञ्जकता (D) अर्थविपर्यय



12. "पाणिपादम्" में समास है
(A) इतरेतरद्वन्द्व
(B) समाहार द्वन्द्व
(C) कर्मधारय
(D) बहुव्रीहि:
13. प्रच्छ धातु में क्त्वा प्रत्यय के योग से रूप बनता है
(A) पृष्ट्वा (B) प्रष्ट्वा
(C) प्रच्छत्वा (D) प्रच्छित्वा
14. सुभाषितं हारि विशत्यधो, गलात्र
दुर्जनस्यार्करिपोरिवामृतम् । यह सूक्ति उद्धृत है
(A) कादम्बरी से
(B) शिशुपालवध से
(C) अभिज्ञानशाकुन्तल से
(D) नीति शतक
15. "नमस्तस्मै कृता येन रम्या रामायणी कथा" यह कहकर
महर्षि वाल्मीकि का अभिवादन किया गया है
(A) कादम्बरी में
(B) रामायण में
(C) नलचम्पू में
(D) अभिज्ञानशाकुन्तल में
16. निम्न में से नलचम्पू की सूक्ति है
(A) नैको रसः कवेः
(B) सर्वसहा सूरयः
(C) उपर्युक्त दोनों
(D) इनमें से कोई नहीं
17. शिशुपालवध महाकाव्य के प्रथमसर्ग में प्रयुक्त
छन्द हैं
(A) वंशस्थ, पुष्पिताग्रा, शिखरिणी
(B) वंशस्थ, पुष्पिताग्रा, मन्दाक्रान्ता
(C) वंशस्थ, पुष्पिताग्रा, शार्दूलविक्रीडित
(D) मन्दाक्रान्ता, पुष्पिताग्रा, शिखरिणी
18. रथाङ्गपाणिः पद में समास है
(A) तत्पुरुष
(B) कर्मधारय
(C) बहुव्रीहि
(D) द्वन्द्व
19. मृच्छकटिक की कथावस्तु किस नगर से सम्बद्ध है ?
(A) उज्जयिनी नगर से
(B) अयोध्या नगर से
(C) काशी नगर से
(D) काञ्ची नगर से
20. निम्न में से मृच्छकटिक का सहवचन है
(A) सुखं हि दुःखान्यनुभूय शोभते
(B) विभवाऽनुगता भार्या
(C) शून्यमपुत्रस्य गृहम्
(D) उपर्युक्त तीनों
21. पञ्चीकरण प्रक्रिया का विशद विवेचन है
(A) तर्कभाषा में
(B) सांख्यकारीका में
(C) वेदान्तसार में
(D) उपर्युक्त तीनों में



22. अधोलिखित में से सत्कार्यवाद का हेतु नहीं है
(A) असदकरण
(B) उपादानग्रहण
(C) सर्वसम्भवभाव
(D) शक्त का शक्यकरण
23. सांख्यकारिका के अनुसार सत्य गुण में नहीं होता है
(A) लाघव
(B) प्रकाशकत्व
(C) उपर्युक्त दोनों
(D) चलत्व
24. अधोलिखित में से श्रीमद्भगवद्गीता में जो नहीं कहा गया
(A) ईशावास्यमिदं सर्वम्
(B) कर्मब्रह्मोद्भवं विद्धि
(C) योगस्थः कुरु कर्माणि
(D) ओमित्येकाक्षरं ब्रह्म
25. कुमारपालित, पात्र के रूप में वर्णित है
(A) मृच्छकटिक में
(B) कादम्बरी में
(C) नलचम्पू में
(D) शिशुपालवध में
26. गद्यकाव्य का निम्न से जो प्रभेद नहीं है
(A) वृत्तगन्धि (B) चूर्णक
(C) कल्लिका प्राय (D) मुक्तक
27. वेताल पञ्चविंशतिका ग्रन्थ के लेखक हैं
(A) त्रिविक्रमभट्ट
(B) त्रिविक्रमसेन
(C) त्रिबलादित्य
(D) त्रिरत्नाकर
28. कथा साहित्य के रचनाकार के रूप में किसकी गणना नहीं है ?
(A) क्षमाराव
(B) महालिङ्ग शास्त्री
(C) नरहरि
(D) रङ्गनाथाचार्य
29. निम्नलिखित में से कौन कवयित्री संस्कृत साहित्य की नहीं है ?
(A) शीला भट्टारिका (B) विकट नितम्बा
(C) विज्जका (D) पत्रलेखा
30. माघ को "घण्टापथ" की उपाधि से अलंकृत किया गया है
(A) अच्छोद सरोवर के वर्णन के कारण
(B) रैवतक पर्वत के वर्णन के कारण
(C) नारद के वर्णन के कारण
(D) इनमें से कोई नहीं
31. "हतो नरो वा कुञ्जरो में न निर्णयः" इसमें कौन सा अलङ्कार है ?
(A) भ्रान्तिमान (B) उत्प्रेक्षा
(C) सन्देह (D) अपहनुति



32. पट का समवायिकारण है
(A) कुलाल (B) वेमा
(C) तुरी (D) तन्तु
33. वेदान्तसार के अनुसार सत्ता के कितने प्रकार हैं ?
(A) दो (B) तीन
(C) चार (D) पांच
34. वेदान्त दर्शन के अनुसार प्रमाण है
(A) चार (B) पांच
(C) छः (D) तीन
35. शिशुपालवध महाकाव्य में सर्गों की संख्या है
(A) सोलह (B) सत्रह
(C) अट्ठारह (D) बीस
36. "अग्निगर्भा शमीमिव" यह उपमा दी गयी है
(A) शकुन्तला की (B) गोतमी
(C) प्रियंवदा की (D) अनसूया की
37. अधोलिखित में से जो यत् प्रत्यय से निष्पन्न नहीं है
(A) कार्यम् (B) शप्यम्
(C) ग्लेयम् (D) जेयम्
38. वेदान्तसार के अनुसार अज्ञान है
(A) भावरूप (B) अभावरूप
(C) शून्यरूप (D) निष्क्रिय
39. अधोलिखित में जो अर्थोपक्षेपकों में परिगणित नहीं है
(A) विष्कम्भक (B) प्रवेशक
(C) प्रकरी (D) चूलिका
40. सांख्ययत में आधिभौतिक दुःख है
(A) ज्वरातिसार से उत्पन्न दुःख
(B) स्वजन वियोग जन्य दुःख
(C) सर्पादि से उत्पन्न दुःख
(D) भूतप्रेतादि जन्य दुःख
41. "स्वधर्मे निधनं श्रेयः" यह श्रीमद्भगवद्गीता के किस अध्याय में है ?
(A) द्वितीय में (B) तृतीय में
(C) चतुर्थ में (D) पञ्चम में
42. काव्यप्रकाश की सङ्केत टीका के प्रणेता हैं
(A) माणिक्यचन्द्रः (B) वामन
(C) मम्मट (D) मल्लिनाथ
43. नाटक में इतिवृत्त होता है
(A) कल्पित (B) अप्रसिद्ध
(C) प्रसिद्ध (D) मिश्र
44. "श्लिष्टैः पदैरनेकार्थाभिधाने" यह लक्षण है
(A) अनुप्रास का
(B) श्लेष का
(C) सन्देह का
(D) भ्रान्तिमान का



45. 'सुमद्रम्' में सु उपसर्ग का अर्थ है
 (A) समीप (B) शोभन
 (C) समृद्धि (D) युगपत्
46. एध्-धातु के आशीर्लिङ्ग उत्तमपुरुष एक वचन में रूप होता है
 (A) एधेय
 (B) एधिषीय
 (C) एधिताहे
 (D) एधिषि
47. "वृत्तवर्तिष्यमाणानां कथांशानां निदर्शकः" यह लक्षण है
 (A) प्रवेशक का
 (B) अङ्गावतार का
 (C) अङ्गास्य का
 (D) विष्कम्भक का
48. अधोलिखित वाक्यों में शुद्ध वाक्य है
 (A) कृष्णं अभितः गोपाः सन्ति
 (B) कृष्णेन अभितः गोपाः सन्ति
 (C) कृष्णाद् अभितः गोपाः सन्ति
 (D) कृष्णस्य अभितः गोपा सन्ति
49. बृहत्कथा किस भाषा शैली में लिखी गयी रचना है ?
 (A) मागधी
 (B) वैदर्भी
 (C) पैशाची
 (D) गौडी
50. "ऋते रवेः क्षालयितुं क्षमेत् कः क्षपातमस्काण्ड मलीमसं नभः ।" यह उक्ति है
 (A) किरातार्जुनीय की
 (B) रघुवंश की
 (C) शिशुपालवध की
 (D) नैषध की
51. शिशुपालवध का अङ्गीरस है
 (A) हास्य रस
 (B) शृङ्गार रस
 (C) रौद्र रस
 (D) वीर रस
52. "अतः परीक्ष्य कर्तव्यं विशेषात् सङ्गतं रहः" यह उक्ति है
 (A) कण्व (B) मारीच
 (C) दुष्यन्त (D) शार्ङ्गरव
53. अभिज्ञान शाकुन्तल में दुष्यन्त की मनःस्थिति जानने के लिए मेनका ने अपनी किस सखी को भेजा था ?
 (A) सानुमती (B) उर्वशी
 (C) रम्भा (D) तिलोत्तमा
54. वेदान्तसार के अनुसार प्रमाता विशेषण है
 (A) ईश्वर का
 (B) जीवन्मुक्त का
 (C) विषय का
 (D) अधिकारी का



55. प्रायश्चित्त कर्म क्या है ?
 (A) सन्ध्या वन्दनादि
 (B) जातेष्टि आदि
 (C) चान्द्रायण व्रत
 (D) शाण्डिल्य विद्या
56. भाषा के उद्भव सिद्धान्तों में कौन सा नहीं है ?
 (A) आवेग सिद्धान्त
 (B) वेग सिद्धान्त
 (C) सञ्जीत सिद्धान्त
 (D) रणन सिद्धान्त
57. योगदर्शन में पदार्थों की संख्या हैं
 (A) 25 (B) 26
 (C) 24 (D) 22
58. "शरीरं तावदिष्टार्थं व्यवच्छिन्ना पदावली" यह परिभाषा किस की है ?
 (A) दण्डी की
 (B) भामह की
 (C) मम्मट की
 (D) आनन्दवर्धन की
59. बोधव्यवैशिष्ट्य पर आधारित है
 (A) आर्थी व्यञ्जना
 (B) शाब्दी व्यञ्जना
 (C) उपादान लक्षणा
 (D) गौणी लक्षणा
60. आचार्य मम्मट ने विरोधाभास अलङ्कार के प्रकार माने है
 (A) आठ (B) दस
 (C) ग्यारह (D) बारह
61. "पंगोश्च" सूत्र से किस स्त्री प्रत्यय का विधान होता है
 (A) ऊङ् (B) डीप्
 (C) डीष् (D) डीन्
62. "सहस्रगुणमुत्स्रष्टुमादत्ते हि रसं रविः" सूक्ति है
 (A) रघुवंश की
 (B) मेघदूत की
 (C) अभिज्ञान शाकुन्तल की
 (D) कुमार सम्भव की
63. "त्रयीमयाय त्रिगुणात्मने नमः" यह पद्यांश उद्धृत है
 (A) नलचम्पू से
 (B) कादम्बरी कथामुख से
 (C) शिशुपालवध से
 (D) अभिज्ञानशाकुन्तल से
64. त्रिविक्रम भट्ट का वंश था
 (A) भट्टवंश (B) शाण्डिल्यवंश
 (C) भरद्वाजवंश (D) गर्गवंश
65. बहिर्विकारं प्रकृतेः पृथग् विदुः
 पुरातनं त्वां पुरुषं पुराविदः ।
 यह पद्यांश उद्धृत है
 (A) सांख्यकारिका से
 (B) शिशुपालवध से
 (C) नलचम्पू से
 (D) मृच्छकटिक से



66. "भवितव्यानां द्वाराणि भवन्ति" यह सूक्ति उद्धृत है
(A) अभिज्ञानशाकुन्तल से
(B) नलचम्पू से
(C) कादम्बरी से
(D) शिशुपालवध से
67. "अनाघ्रातं पुष्पं किसलयमनूलं कररुहैः" यह उक्ति है
(A) शकुन्तला की
(B) दुष्यन्त की
(C) विदूषक की
(D) प्रियंवदा की
68. नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पाषकः
न चैनं क्लेदयन्त्यापो, न शोषयति मारुतः ।
इस पद्य में "एनम्" शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है ?
(A) आत्मा के लिए
(B) ब्रह्म के लिए
(C) जगत के लिए
(D) चित्त के लिए
69. "मखशतपरिपूतं गोत्रमुद्भासितं यद्" यह कथन है
(A) शर्विलक का
(B) शकार का
(C) चारुदत्त का
(D) विदूषक का
70. तर्कभाषा में कारणों की संख्या है
(A) पांच (B) तीन
(C) नव (D) सात
71. "यथा गौस्तथा गवयः" यह उदाहरण है
(A) उपमान का
(B) अनुमान का
(C) प्रत्यक्ष का
(D) बुद्धिव्यवसाय का
72. "चतुर्वर्ग फलप्राप्तिः" यह काव्य प्रयोजन स्वीकृत है
(A) मम्मट द्वारा
(B) दण्डी द्वारा
(C) विश्वनाथ द्वारा
(D) आनन्दवर्धन द्वारा
73. काव्यप्रकाश के अनुसार श्लेष अलङ्कार के भेद है
(A) आठ (B) दश
(C) ग्यारह (D) सात
74. द्रक्ष्यति यह धातु रूप है
(A) दृक्ष् धातु का लृट् लकार का प्रथमपुरुष एकवचन
(B) पश्य धातु का लृट् लकार का प्रथमपुरुष एकवचन
(C) दृश् धातु का लृट् लकार का प्रथमपुरुष एकवचन
(D) द्रक्ष्य धातु का लोट् लकार का प्रथमपुरुष बहुवचन



75. याच् में शानच् प्रत्यय होने पर रूप बनता है
(A) याचन् (B) याचयन्ती
(C) याचशान् (D) याचमानः
76. कुन्ती में ढक् प्रत्यय के योग से रूप बनता है
(A) कुन्ताढः
(B) कौन्तेयः
(C) कौन्तेयाढ्यः
(D) कुन्तीढः
77. कादम्बरी कथामुख में वर्णन है
(A) अगस्त्याश्रम का
(B) हारीताश्रम का
(C) जावाल्याश्रम का
(D) उपर्युक्त तीनों का
78. "करोति कस्य नाह्लादं कथा कान्तेव भारती" यह उक्ति किस कवि की है ?
(A) बाणभट्ट की
(B) त्रिविक्रमभट्ट की
(C) शूद्रक की
(D) कालिदास की
79. त्रिविक्रमभट्ट ने नलचम्पू में सबसे पहले स्तवन किया है
(A) कामदेव का
(B) विष्णुदेव का
(C) गिरिसुता का
(D) भगवान शङ्कर का
80. "गतं तिरश्चीनमनूरुसारथेः" में अनूरुसारथेः पद का अर्थ है
(A) नारद का (B) सूर्य का
(C) हविर्भुक् का (D) पङ्गु का
81. "हरत्यघं सम्प्रति हेतुरेष्यतः" यह पद्यांश है
(A) शिशुपालवध का
(B) अभिज्ञानशाकुन्तल का
(C) श्रीमद्भगवद्गीता का
(D) मृच्छकटिक
82. दरिद्रता के वर्णन से पूर्ण रूपक प्रणीत किया हैं
(A) बाणभट्ट ने
(B) माघ ने
(C) त्रिविक्रमभट्ट ने
(D) शूद्रक ने
83. "प्रवर्ततां प्रकृतिहिताय पार्थिवः" यह भरतवाक्य किस नाटक में प्रयुक्त हुआ है ?
(A) मृच्छकटिक में
(B) अभिज्ञानशाकुन्तल में
(C) नलचम्पू में
(D) भारतविजय में
84. ब्रह्मजिज्ञासा के साधन चतुष्टय में निम्न में से किसका ग्रहण नहीं हुआ है ?
(A) नित्यानित्यवस्तुविवेक
(B) इहामुत्रार्थफल भोगानुराग
(C) शमादिषटक सम्पत्ति
(D) मुमुक्षुत्व



85. सांख्य मत में जो प्रमाण स्वीकार नहीं किया गया वह है
(A) द्रष्ट (B) अनुमान
(C) आप्त (D) अर्थापत्ति
86. निम्न में से कौन सा सिद्धान्त श्रीमद्भगवद्गीता में नहीं कहा गया है ?
(A) पुनर्जन्मसिद्धान्त
(B) आत्मा की नित्यता
(C) सांख्ययोग सिद्धान्त
(D) अधर्मोत्थान सिद्धान्त
87. राजा नल की नगरी का नाम था
(A) अवन्ती
(B) विशाला
(C) निषधा
(D) काशी
88. राजा नल की कथा किस ग्रन्थ में नहीं है ?
(A) रामायण में
(B) स्कन्द पुराण में
(C) विक्रमाङ्कदेवचरित में
(D) मत्स्यपुराण में
89. राजा नल के मन्त्री का नाम था
(A) बालाहक
(B) श्रुतिशील
(C) विदध
(D) बाहुक
90. बृहत्कथामञ्जरी का विभाजन है
(A) लम्बकों में
(B) लावाणकों में
(C) उच्छ्वासों में
(D) निःश्वासों में
91. "यष्टयः प्रविशन्ति" में लक्षणा है
(A) उपादानलक्षणा
(B) लक्षणलक्षणा
(C) शुद्धासारोपा
(D) गौणी साध्यवसाना
92. शिशुपालवध की कथा का आधार है ?
(A) महाभारत
(B) श्रीमद्भगवद्गीता
(C) विष्णुपुराण
(D) दशावतार
93. किस ग्रन्थ की गणना बृहत्त्रयी के अन्तर्गत नहीं है
(A) किरातार्जुनीय
(B) शिशुपालवध
(C) नैषधीयचरित
(D) रघुवंश
94. नीचे लिखे गए ग्रन्थों में कौन सा काव्यशास्त्र का नहीं है ?
(A) ध्वन्यालोक
(B) सरस्वती कण्ठाभरण
(C) कवि कर्णाभरण
(D) कवि कण्ठाभरण



95. निम्नलिखित में से जो न्यायसूत्रकार के मत में नहीं है
(A) अनुमान (B) उपमान
(C) प्रत्यक्ष (D) परोक्ष
96. पञ्चतन्मात्राओं से उत्पत्ति होती है
(A) पञ्च प्राणों की
(B) पञ्च मकारों की
(C) पञ्च इन्द्रियों की
(D) पञ्च उपचारों की
97. विश्वपा शब्द के पञ्चमी एक वचन का रूप है
(A) विश्वपा (B) विश्वपः
(C) विश्वपाः (D) विश्वपि
98. शिशुपालवध में "हिरण्यगर्भाङ्गभू" कहा गया है
(A) नारद को (B) श्रीकृष्ण को
(C) बलराम को (D) गर्ग को
99. "अथवाऽनार्यः परदारव्यवहारः" यह उक्ति है
(A) कण्व की
(B) माधव्य की
(C) इन्द्र की
(D) दुष्यन्त की
100. "गुणः खलु अनुरागस्य कारणम्" यह उक्ति है
(A) चारुदत्त की
(B) मैत्रेय की
(C) शकार की
(D) वसन्तसेना की

101. निर्वात दीपवत् चलत्व होता है
(A) सविकल्पक समाधि का
(B) सगुण ब्रह्म का
(C) जीव का
(D) निर्विकल्पक समाधि का
102. वेदान्तसार के अनुसार प्रयोजन नहीं है
(A) दुःखनिवृत्ति
(B) अभ्युदयलाभ
(C) पाण्डित्य सम्पादन
(D) अज्ञाननिवृत्ति और स्वस्वरूपनन्दावाप्ति
103. वेदान्तसार में लिङ्ग शरीर हैं
(A) षोडशावयव
(B) पञ्चदशावयव
(C) एकादशावयव
(D) सप्तदशावयव
104. विश्वनाथ के मतानुसार हास्य होता है
(A) द्विविध (B) त्रिविध
(C) चतुर्विध (D) षड्विध
105. व्यायोग में नामक होता है
(A) धीरप्रशान्त
(B) धीरोदात्त
(C) धीरोद्धत
(D) धीरललित



106. "अर्थे सत्यर्थ भिन्नानां वर्णानां सा पुनः पुनः श्रुतिः"
यह लक्षण है
(A) अनुप्रास का
(B) यमक का
(C) श्लेष का
(D) उपमा का
107. संस्कृत भाषा में निम्नलिखित में से दीर्घ नहीं होता है
(A) ऋकार का
(B) अकार का
(C) इकार का
(D) लृकार का
108. द्वियमुनम् में समास है
(A) द्विगु (B) द्वन्द्व
(C) अव्ययीभाव (D) तत्पुरुष
109. पक्वः में प्रत्यय है
(A) क्त (B) क्तवतु
(C) घञ् (D) यत्
110. "वज्रादपि कठोराणि मृदूनि कुसुमादपि" यह सुभाषित है
(A) रघुवंश में
(B) उत्तर रामचरित में
(C) अभिज्ञान शाकुन्तल में
(D) वेणीसंहार में
111. "गुणाः पूजास्थानं गुणिषु न च लिङ्गं न च वयः"
यह सूक्ति वाक्य है
(A) उत्तर रामचरित में
(B) अभिज्ञान शाकुन्तल में
(C) मृच्छकटिक में
(D) मालविकाग्निमित्र में
112. चण्डीशतक के रचयिता कौन है ?
(A) मयूरभट्ट (B) बाणभट्ट
(C) रामानुजाचार्य (D) भर्तृहरि
113. एक मात्र वर्ण "दकार" का प्रयोग करते हुए जिस महाकवि ने पद्य निर्मित किया है वे है
(A) कालिदास
(B) माघ
(C) भारवि
(D) भवभूति
114. शकुन्तला की अंगूठी किस स्थान पर गिरी थी ?
(A) सोमतीर्थ
(B) शचीतीर्थ
(C) कण्वाश्रम
(D) प्रभासतीर्थ
115. नलचम्पू महाभारत के किस पर्व से सम्बन्धित है ?
(A) सभापर्व (B) भीष्मपर्व
(C) वनपर्व (D) द्रोणपर्व



116. नलचम्पू में जो अलङ्कार बहुलता पूर्वक प्रयुक्त हुआ है
(A) यमक (B) अनुप्रास
(C) रूपक (D) श्लेष
117. "बोधयबोधकभावलक्षणः" किसको अभिव्यक्त करता है ?
(A) अधिकारी को
(B) विषय को
(C) सम्बन्ध को
(D) प्रयोजन को
118. वैशेषिक दर्शन में प्रमाण के कितने भेद उपदिष्ट हैं ?
(A) 4 (B) 6
(C) 2 (D) 5
119. चार्वाक दर्शन में कितने प्रमाण हैं ?
(A) 3 (B) 4
(C) 5 (D) 2
120. श्री भगवद्गीता के द्वितीय अध्याय का नाम है
(A) कर्म योग
(B) सांख्य योग
(C) ज्ञानकर्मसन्यास योग
(D) कर्म सन्यास योग
121. साक्षात् संकेतित अर्थ को बोधक शक्ति है
(A) तात्पर्या (B) अभिधा
(C) लक्षणा (D) व्यञ्जना
122. आचार्य मम्मट द्वारा स्वीकृत रसदोषों की संख्या है
(A) बारह (B) चौदह
(C) तेरह (D) ग्यारह
123. "महा कवि कालिदास उपमा के सम्राट हैं तो बाण परिसंख्या के" - इस कथन के कथनकार हैं
(A) डा. जनार्दन पाण्डेय
(B) डा. रमाशङ्कर त्रिपाठी
(C) डा. अवनीश कुमार
(D) डा. विश्वेश्वर
124. "ग्रामं गच्छंस्तृणं स्पृशति" यहां तृणं में किस सूत्र से द्वितीया विभक्ति होती है ?
(A) कर्तुरीप्तितामं कर्म
(B) कर्मणि द्वितीया
(C) अकथितं च
(D) तथायुक्तं चानीप्सितम्
125. "उगितश्च" सूत्र से किस प्रत्यय का विधान होता है ?
(A) डीष् का (B) डीप् का
(C) डीन् का (D) ति का



3. प्रश्न-पुस्तिका में किसी विसंगति के अतिरिक्त, किसी भी स्थिति में अभ्यर्थी को कोई दूसरी प्रश्न-पुस्तिका नहीं दी जाएगी। अभ्यर्थी को प्रश्न-पुस्तिका को उपयोग में लाने और उत्तर-पत्रक को पूरित करने में सावधानी बरतनी चाहिए।
4. अभ्यर्थी को 125 प्रश्नों के उत्तर भरने हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। गलत उत्तर के लिए नकारात्मक अंक नहीं दिये जायेंगे।
5. उत्तर-पत्रक को भरने के पूर्व अभ्यर्थी उत्तर-पत्रक पर मुद्रित महत्वपूर्ण निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
6. अभ्यर्थी को दिए गए चार विकल्पों में से एक अति उपयुक्त विकल्प का चयन कर OMR शीट में उत्तर-पत्रक में दिए गए निर्देशानुसार भरना है।
7. किसी भी परिस्थिति में प्रश्न-पुस्तिका का कोई भी कागज अलग नहीं करना है।
8. अभ्यर्थी परीक्षा भवन में प्रवेश पत्र के अतिरिक्त सादा या लिखा कोई अन्य कागज नहीं लाएंगे। यदि कोई अभ्यर्थी कोई अतिरिक्त कागज, नोट, पुस्तक, कैलकुलेटर, स्लाइड रूल, मोबाइल फोन आदि अपने साथ परीक्षा भवन में रखे पाया जाता है, तो उसे अनुचित साधन प्रयोग के अन्तर्गत दण्डित किया जा सकता है।
9. सभी रफ कार्य को केवल प्रश्न-पुस्तिका के अन्दर ही करना है।
10. केवल काला बॉल पेन उत्तर भरने के लिए प्रयोग करें।

3. No second question booklet shall be given to any candidate under any circumstances except any discrepancy in question booklet. The candidate should be careful in handling the question booklet and filling the answer sheet.
4. A candidate has to attempt 125 questions. All the questions are compulsory. There is no negative marking for wrong answer.
5. Before filling the answer sheet, the candidate should read carefully the important instructions given on answer sheet.
6. The candidate has to choose best suitable alternative out of the four alternatives given and mark on the OMR answer sheet according to the instructions given in the answer sheet.
7. In no case any paper from the question booklet should be separated.
8. The candidate shall not bring any loose paper, whether written or blank, except the **admit card**, inside the examination hall. If any candidate is found having any loose paper, notes, books, calculator, slide rule, mobile phone etc. with him/her in the examination hall, he/she will be liable to be punished for use of unfair means.
9. All rough work should be done inside the question booklet only.
10. Only use **black ball pen** for filling answers.